इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2127

30 अगस्त, 2012 को उत्तर के लिए

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड द्वारा निजी और सरकारी क्षेत्र की सहभागिता के अंतर्गत संयुक्त उद्यम का गठन

2127. श्री राम जेठमलानी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड द्वारा निजी क्षेत्र व सरकारी क्षेत्र की सहभागिता के अंतर्गत संयुक्त उद्यम गठित किया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या इस उद्यम द्वारा अफगानिस्तान में लौह अयस्क की खानों से खनन का दायित्व लिया गया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस उद्यम में कुल कितनी पूंजी का निवेश किया गया है और इस पूंजी में सरकारी क्षेत्र व निजी क्षेत्र का हिस्सा कितना-कितना है;

(घ) क्या यह भी सच है कि इस परियोजना के संचालन का दायित्व निभाने के लिए कोई परस्पर समझौता है; और

(ड.) यदि हां, तो इस मसझौते का ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) से (ग): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के नेतृत्व में 7 भारतीय इस्पात एवं खनन कंपनियों वाले कंसोर्टियम जिसमें राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल), एनएमडीसी लिमिटेड, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल), जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू इस्पात स्टील लिमिटेड और मोनेट इस्पात एंड इनर्जी लिमिटेड शामिल हैं, को हाजीगक लौह अयस्क डिपाजिट, अफगानिस्तान के लौह अयस्क ब्लॉक बी,सी और डी के लिए वरीय बोलीदाता घोषित किया गया है। वर्तमान में यह कंसोर्टियम खान मंत्रालय, अफगानिस्तान सरकार के साथ हाजीगक खनन संविदा को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत कर रहा है। संविदा पर हस्ताक्षर होने के पश्चात ही परियोजना से संबंधित कोई कार्य शुरू किया जा सकता है।

(घ और (ड.): वर्तमान में कंसोर्टियम के सदस्य परियोजना का प्रबंध और क्रियान्वयन करने के लिए संयुक्त उद्यम कंपनी के निगमतिकरण हेतु संयुक्त उद्यम करार को अंतिम रूप दे रहे हैं।

****